भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2403
उत्तर देने की तारीख 18 दिसंबर, 2023
सोमवार, 27 अग्रहायण, 1945 (शक)

ग्रामीण उद्यमी परियोजना

2403. श्रीमती जसकौर मीनाः
श्रीमती केशरी देवी पटेलः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ग्रामीण उद्यमी परियोजना की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ख) देश में अब तक उक्त परियोजना के तहत स्वीकृत, आवंटित और उपयोग की गई राशि का ब्योरा क्या है;

(ग) देश भर में अब तक उक्त परियोजना के तहत कितने छात्रों को नामांकित किया गया है;

(घ) उन राज्यों की संख्या कितनी है जहां उक्त परियोजना कार्यान्वित की गई है;

(ङ) क्या उक्त परियोजना उत्तर प्रदेश और राजस्थान में लागू की गई है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्योरा क्या है; और

(छ) यदि नहीं, तो इसे कब तक लागू किये जाने की संभावना है?

उत्तर

कौशल विकास और उदयमशीलता राज्य मंत्री
(श्री राजीव चंद्रशेखर)
(क) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) भारत सरकार के कुशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत, विभिन्न स्कीमों अर्थात प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के द्वारा कौशल विकास केंद्रों/संस्थानों के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य और उद्योग के लिए कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

एमएसडीई ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से, जो मंत्रालय की एक कार्यात्मक शाखा है, मई 2022 में जनजातीय क्षेत्र के युवाओं के समावेशी और सतत

विकास के लिए एक प्रायोगिक के रूप में ग्रामीण उद्यमी (ग्रामीण उद्यमी/तकनीशियन) नामक एक अद्वितीय बहु-कौशल परियोजना कौशल प्रशिक्षण शुरू की है, जिसका उद्देश्य बहु-कुशलता को बढ़ाना है।

(ख) मंत्रालय ने इस परियोजना के लिए अलग से कोई निधि जारी नहीं की है। इस परियोजना को एनएसडीसी द्वारा वित्त-पोषित और कार्यान्वित किया गया है।

(ग) और (घ) यह परियोजना 3 जिलों नामतः भोपाल (मध्य प्रदेश), रांची (झारखंड) और गुमला (झारखंड) में कार्यान्वित की गई है और 497 उम्मीदवारों को अल्पावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, जनवरी 2023 से अप्रैल, 2023 तक झारखंड के गुमला जिले में पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) आयोजित की गई थी जिसमें 480 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया है।

(ङ), (च) और (छ) जी, नहीं। ग्रामीण उद्यमी (ग्रामीण उद्यमी/तकनीशियन) परियोजना उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्य में कार्यान्वित नहीं की गई है। वर्तमान में, इस परियोजना का देश के अन्य भागों में विस्तार करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****